डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 83 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 04 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

जुए की फड़ पर पुलिस की दबिश

एक दर्जन से ज्यादा गिरफ्तार, 50 हजार रुपए जप्त

भानपुरा, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानो पर चल रही जुए की फड़ पर दबिश दी। इस कार्रवाई में जुआ खेल रहे 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से जुए में लगाई जा रही 49 हजार से अधिक की राशि भी बरामद की गई है। सभी के विरूद्ध जुआ एक्ट के साथ ही प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई। अदालत के आदेश पर सभी जुआरियों को जैल भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर सूचना पर संधारा गांव के शासकीय स्कूल के पास दबिश दी। पुलिस को देख जुआ खेल रहे लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर 9 जुआरियों को पकड़ा और उनके कब्जे से 35 हजार 560 रुपए बरामद किए। दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने मुखबीर सूचना पर गंधीदेव बालाजी के समीप नदी के पास दबिश देकर मौके से 4 जुआरियों को पकड़ा। इनके पास से 14 हजार 280 रुपए बरामद किए गए। दोनों मामलों में सभी आरोपियों को अदालत के आदेश पर जैल भेज दिया गया है।

ऑनलाइन बिक रही मौत..!

हरियाणा-पंजाब से पहुंच रहा चाइनीज मांझा

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। चायइनीज मांझा पक्षियों के साथ ही इंसानों की जान का दुश्मन बना हुआ है। इस मांझे पर प्रदेश में प्रतिबंध लगा हुआ है। मंदसौर प्रशासन ने भी इस संबंध में काफी पहले ही प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए है। लेकिन, इसके बाद भी इसकी बिक्री जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाइनीज मांझा ऑनलाइन भी बिक रहा है। इधर बात करें दुकानों पर बिकने वाले चाइनीज मांझे की तो चोरी छिपे दुकानदार इसे बेच रहे हैं। प्रशासन ने प्रतिबंध तो लगा दिया है। लेकिन, कार्रवाई का अभाव देखा जा रहा है। चूंकि यह मांझा मप्र के साथ राजस्थान में भी प्रतिबंधित है। बताया जाता है कि हरियाणा और पंजाब से मप्र और राजस्थान के बड़े शहरों तक चाइनीज मांझा पहुंच रहा है। इसके बाद मंदसौर जैसे शहरों में इसकी सप्लाइ हो रही है।

हर साल मकर संक्रांति के दिन के पहले से ही एक खतरनाक और दु:खद परंपरा बन चुकी है, चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाएं। इस दिन और इसके एक माह पहले से होने वाली पतंगबाजी के दौरान चाइनीज मांझा न केवल कई लोगों की जान लेता है, बल्कि यह सैकड़ो पक्षियों के लिए भी घातक साबित होता है। पिछले कुछ सालों में इन हादसों में वृद्धि हुई है। हर साल मंदसौर सहित प्रदेश में 100 से 200 तक हादसे होते हैं, जिनमें बाइक सवार, राहगीर और बच्चे शामिल होते हैं। साल दर साल 5-10 मौतें इस धारदार और खतरनाक मांझे के कारण होती हैं, इनमें अधिकतर मौतें गला कटने या गंभीर चोटों के कारण होती हैं। मांझे की बिक्री पर कई बार रोक लगाने के बावजूद यह विक्रेताओं के लिए एक आम कमाई का जरिया बन चुका है। चाइनीज मांझा विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मंदसौर पहुंच रहा है और यह अवैध रूप से ऑनलाइन बेचा जा रहा है। विक्रेता अब इस धंधे को इतनी सफाई से चला रहे हैं कि पुलिस या प्रशासन की कार्रवाई से बचने के लिए वे डिजिटल पेमेंट की बजाय कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा दे रहे हैं। इससे न केवल पुलिस के लिए यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। बल्कि यह अवैध व्यापार भी फल-फूल रहा है। हालांकि, मकर संक्रांति से पहले बाजारों में चाइनीज मांझे पर कुछ सख्ती दिखाई जाती है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है।

ऑनलाइन खेल...

मिली जानकारी के अनुसार, कई लोग वेबसाइट्स और सोशल मीडिया साइट्स के माध्यम से चीनी मांझे का व्यापार कर रहे हैं। इन मांझों की कीमतें 500 रुपए से शुरू हो रही हैं और संक्रांति के करीब आते ही दुकानदार ग्राहकों से पहले से ऑर्डर लेने के लिए कह रहे हैं, ताकि कीमत में भी बढ़ोतरी की जा सके। इंटरनेट पर ऑनलाइन पतंग डोरी जैसी वेबसाइट्स और विभिन्न व्हाट्सएप नंबरों के जरिए चीनी मांझे की बिक्री हो रही है। शहर के बाजारों में भी चोरी-छिपे चीनी मांझा बिक रहा है, जो खास कोड वर्ड के तहत बेचा जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि यह मांझा अब सादे कागजों में बेचा जा रहा है, ताकि यह नजर से छिपा रहे। गुरु एक्सप्रेस की टीम ने खुद कई दुकानों से यह मांझा खरीदा और पाया कि यह चीनी मांझा नायलॉन के धागे में मैटेलिक पाउडर मिलाकर तैयार किया जाता है। इस धागे में कांच और लोहे का पाउडर पीसकर उसे धारदार बनाया जाता। है, जिससे यह बहुत खतरनाक हो जाता है।

दुकानदार दे रहे दूसरे दिन डिलीवरी...

शहर सहित अंचल के दुकानदारो से चायनीज मांझा मांगो तो वह मना कर देते है। लेकिन, जैसे ही कोई परिचित पहुंचता है, तो कहते है कि एक साथ 6 चकरी ले लो। बार-बार नहीं दे पाऊंगा। इसके साथ ही कहते है कि पेमेंट आज दे दो, कल आना बता देंगे कि कहां से उठाना है। वहां जाकर अपना पार्सल ले लेना। पार्सल रात में ही तैयार कर किसी मित्र या रिश्तेदार के यहां पहुंचा दिया जाता है। जिसमें कस्टमर का नाम और मोबाईल नंबर भी लिखा होता है।

किसानों से लूट करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

तीन वारदात कबूली, रैकी कर देते थे लूट की वारदात को अंजाम

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी में अपनी फसल बेचने आए किसानों के साथ लूट की वारदातें लगातार सामने आ रही थी। प्रदेश में अन्य जगहों पर भी इस तरह की वारदात सामने आई। सुवासरा और नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई लूट के आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया है। चारों आरोपियों ने कुल तीन वारदातें भी कबूल की है। जिसमें एक सुवासरा, एक नाहरगढ थाना क्षेत्र तो एक आगर मालवा जिले की है। यह बदमाश मंडी में आए किसानों की रैकी करते। इसके बाद लूट की वारदात को अंजाम देते। आश्चर्य की बात यह है कि यह बदमाश इस तरह की लूट अपने मौज शौक पूरे करने के लिए करते थे।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने बताया कि 24 दिसंबर को किशोर पिता सीताराम पाटीदार निवासी सिरपोई थाना सुसनेर उसका साथी राहुल पाटीदार के साथ स्वयं की लहसुन व मैथीदाना बेचने के लिये मन्दसौर नीमच मण्डी पिकअप क्रमांक एमपी 13 जीबी 2792 से आये थे। फसल बेचने के बाद जब अपने गांव सिरपोई जा रहे थे। तभी रुपणी चौपाटी पर एक बिना नम्बर की कार द्वारा ओव्हर टेक कर पिकअप को रोक कर उसमे सवार 04 व्यक्ती नगदी रुपये लूटकर ले गये थे।

एक अन्य मामले में श्री आनंद ने बताया कि विगत दिनों रामचरण उर्फ बबलू पिता बालचन्दजी राठौर निवासी बांड गांव थाना माचलपूर जिला राजगढ तथा उसका साथी भगवानसिंह पिता बालूसिंह सौ.राज. निवासी बांड गांव के साथ स्वयं की लहसुन बेचने के लिये मन्दसौर नीमच मण्डी में विरमसिंह की पिकअप क्रमांक एमपी 39 जी 3947 से अपने गांव से नीमच- मन्दसौर मण्डी में वाहन चालक प्रेम पिता भैरुलाल मालवीय को लेकर गये थे। 27 दिसंबर को लहसून बेचकर वापस लहसून बेचने से मिले कुल 4 लाख 30 हजार रुपये लेकर खाली पिकअप वाहन मे खल भरकर मंदसौर के रास्ते सीतामऊ, सुवासरा, रुनिजा होते हुए जा रहे थे। इसी दौरान भरपूर व हनुमंतिया के बीच अज्ञात चार व्यक्तियो द्वारा पिकअप रुकवाकर पिकअप वाहन को एक्सीडेन्ट करके तथा गाडी में गाये भरी होना बताया। इसके बाद चेक करने के बहाने नकदी और मोबाईल लूटकर ले गए।

मामले में पुलिस कप्तान श्री आनंद ने बताया कि थाना सुवासरा की टीम द्वारा प्रकरण से संबंधित एक एक कड़ी जोड़ते हुए तकनीकी एवं मनोवेज्ञानिक तरिके से अज्ञात आरोपीयो की तलाश पतारसी की गई। प्रकरण मे यह बात सामने आयी कि एक नीले रंग की बलेनो कार क्रमांक एम.पी. 09 डी.एल. 2959 में आये अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा वारदात की गई। इस जानकारी पर संदेही आरोपी संदीप पिता राजाराम गुर्जर निवासी पचेटी थाना कानड को पुलिस गिरफ्त मे लेकर सघनता से पूछताछ की गई। जिसके व्दारा अपने साथी संजय पिता देवीसिंह गुर्जर उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कोहडिया थाना नलखेडा जिला आगर मालवा, गोविन्द पिता रोडसिंह गुर्जर उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कृपालपुर कोलिया थाना कानड जिला आगर मालवा व राहुल पिता कचरुलाल मालवीय उम्र 23 वर्ष निवासी शिवपहाडी कानड थाना कानड जिला आगर मालवा के साथ मिलकर वारदात घटित करना स्वीकार किया गया। प्रकरण मे आरोपियो के कब्जे से 3 लाख रुपये नगद एवं लूटा गया मोबाईल एवं घटना कारित करने के उपयोग में ली गई नीले रंग की बलेनो कार क्रमांक एमपी 09 डीएल 2959 जप्त की गई है। प्रकरण के आरोपियो व्दारा पूर्व मे 24 दिसंबर 2024 को थाना नाहरगढ जिला मन्दसौर क्षेत्र तथा 18 दिससंबर 2024 को थाना कानड जिला आगर मालवा क्षेत्र मे भी लूट की घटनाओ को अंजाम देना स्वीकार किया गया है। प्रकरण मे आरोपियो से ओर भी पूछताछ के लिये पुलिस रिमाण्ड लिया गया है।

बीजेपी: आज तय हो जाएगा जिलाध्यक्ष..?

सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से वन टू वन चर्चा पूर्ण

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी में जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनयन को लेकर अब ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। आज शनिवार को जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा होने की पूरी संभावना है। प्रदेश में बीजेपी के जिलाध्यक्षों के नामों का पैनल तैयार हो गया है। रायशुमारी के बाद 60 संगठनात्मक जिलो में से करीब 50 जिलों में सहमति बन गई है। नामों के इस पैनल को भोपाल से दिल्ली भेजा गया है। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद आज पहली सूची आने की संभावना है। इसमें 50 जिलों के अध्यक्ष घोषित किए जा सकते हैं। जिसमें मंदसौर भी शामिल है।

मंदसौर जिलाध्यक्ष के लिए राजेश दिक्षीत, प्रितेश चावला, प्रियंका गोस्वामी, अजयसिंह चौहान, नरेश चंदवानी, धीरज पाटीदार, गणपत आंजना, हिम्मत डांगी, राजेश पालीवाल जैसे कई नाम चल रहे हैं। चौपाल की चर्चाओं में हर नेता और व्यक्ति ने अपने-अपने पैनल तैयार कर रखे हैं। सभी का कहना है कि यह नाम पैनल में है। लेकिन, हकीकत यह है कि पैनल के फैक्ट तीन नामों का खुलासा नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा यह भी खास है कि पैनल के नामों में से ही जिलाध्यक्ष बने यह भी जरुरी नहीं है। क्राइटएरिया, रायशुमारी और प्रक्रिया के अलावा अन्य फैक्टर भी यहां काम करेंगे। उदाहरण के लिए अगर नीमच में सामान्य वर्ग का जिलाध्यक्ष दिया जाता है तो निश्चित है कि मंदसौर में ओबीसी को मौका मिल सकता है। भले ही ओबीसी का नाम पैनल में नहीं हो। मतलब रतलाम, मंदसौर और नीमच की स्थिति देखकर ही जिलाध्यक्ष का नाम तय होगा।

इससे पहले गुरुवार देर रात तक बीजेपी के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने रायशुमारी में आए नामों की मेरिट लिस्ट के आधार पर पैनल तैयार किए। हर जिले के पैनल में एक महिला और एससी-एसटी नेता का नाम भी शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मध्यप्रदेश में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का चुनाव कराएंगे। पार्टी ने उन्हें प्रदेश संगठन के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में गुरुवार देर रात करीब सवा दस बजे तक जिलेवार वन-टू-वन बैठक चली। इससे पहले सुबह 11 बजे से बीजेपी की प्रदेश संगठन चुनाव की पर्यवेक्षक सरोज पांडे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश चुनाव अधिकारी विवेक शेजवलकर, सह चुनाव अधिकारी रजनीश अग्रवाल ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ रायशुमारी के टेबुलेशन शीट और पैनल पर चर्चा की। दोपहर 2 बजे तक फर्स्ट राउंड में 22 जिलों की चर्चा हुई। दोपहर 2.30 बजे से रात करीब 10.15 बजे तक बाकी बचे जिलों की वन-टू-वन मीटिंग हुई।

संगठनात्मक 60 जिलों में 3-3 नाम के पैनल बनाए...

भाजपा ने 60 जिलों के जिलाध्यक्ष के लिए तीन-तीन नाम के पैनल बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। पहली सूची आज आ सकती है। गुरुवार को सुबह 11 बजे से देर रात तक प्रदेश चुनाव अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने जिला चुनाव अधिकारियों व पर्यवेक्षकों से वन टू वन चर्चा करके यह पैनल तैयार किए। तीन नाम में जाति, उम्र, क्षेत्रीय समीकरण, वर्ग आदि को ध्यान में रखा गया। चर्चा में प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षक सरोज पांडे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश चुनाव अधिकारी विवेक शेजवलकर पूरे समय मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश भर से बड़े नेताओं के आने का सिलसिला पूरे दिन चला। चर्चा से पता चला कि पार्टी अपने करीब 5 शहरी जिलों में महिलाओं को और पांच शहरी व ग्रामीण जिलों में शेड्यूल कास्ट के नेताओं को अध्यक्ष बना सकती है।

इन बिंदुओं पर चर्चा की गई...

✻ वर्तमान जिला अध्यक्ष के कार्यकाल को कितना समय हो गया। ✻ यदि चार साल से अधिक हो गए तो उन्हें बदलने के लिए कितने लोग सहमत हैं। ✻ यदि एक से दो साल कार्यकाल हुआ तो इस दौरान जिलाध्यक्ष का जिले के नेताओं के साथ समन्वय कैसा रहा। ✻ जो नाम आए हैं, उनमें किस जाति से कितने नाम हैं और उनका समाज में क्या जनाधार है। ✻ हर जिले से एक नाम महिला और एक नाम शेड्यूल कास्ट (एससी) का शामिल। ✻ एक वर्ग की एक जाति का एक ही अध्यक्ष बनाने पर फोकस। ✻ शिकायतों में सबसे अधिक पार्टी विरोधी गतिविधि पर ध्यान दिया गया। ✻ जिला चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक के साथ सांसद से भी तीन-तीन नाम मांगे गए। ✻ 60 साल की बजाय 57 साल तक के कार्यकर्ता को अध्यक्ष बनाने पर जोर।

मंदसौर-रतलाम में ब्राह्मण नाम पर जोर...

संसदीय क्षेत्र के मंदसौर और रतलाम जिले में ब्राह्मण अध्यक्ष के नाम पर जोर है। यदि रतलाम में वर्तमान जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय को रिपीट किया जाता है तो क्या मंदसौर में भी राजेश दिक्षीत को अध्यक्ष बनाया जा सकता है। या श्री उपाध्याय को रिपीट नहीं किया जाता है। यह ऐसे सवाल है जो केवल भोपाल में बैठी कोर कमेटी ही देख पा रही है। वहीं यह भी हो सकता है कि दोनो जिलो में ब्राह्मण अध्यक्ष दिए जा सकते है।

एमडी व डोडाचूरा प्रकरण में फरार आरोपियों की तलाश, पुलिस कहानी में सामने आया विरोधाभास

पिपलियामंडी, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एमडी ड्रग व डोडाचूरा बरामदगी प्रकरण में रिमाण्ड पर चल रहे आरोपी ने पूछताछ के दौरान मामले में लिप्त आरोपियों के नाम पुलिस को बताए, पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर तलाश शुरु कर दी। इस प्रकरण में पुलिस कहानी में विरोधाभास सामने आया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने बाइक पर 1.508 किलो सिथेंटिग एमडी ड्रग व 5 किलो डोडाचूरा समेत नौगांवा निवासी लालसिंह बावरी को गिरफ्तार किया था। जिसे कोर्ट ने 6 जनवरी तक पुलिस रिमाण्ड पर सोंपने के आदेश दिए थे। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उक्त मादक पदार्थ वह रेवास देवडा निवासी विकास कुमावत से लेकर लसुड़िया राठौर निवासी धीरज डाबी को देने जा रहा था। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस कहानी में विरोधाभास:- पुलिस कहानी में आरोपी लालसिंह को नारायणगढ थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर के निकट बरखेडा वीरपुरिया फन्टे पर पकड़ना बताया। वहीं धीरज डाबी को फतेहपुर में देना बताया। जबकि धीरज डाबी पिपलियामंडी थाना क्षेत्र के गांव लसुड़िया राठौर का रहने वाला है और नौगांवा से लसुड़िया राठौर नजदीक है, फिर वह फतेहपुर क्यों जा रहा था ? पुलिस की इस कहानी में विरोधाभास होना सामने आ रहा है...?

ओवर ब्रिज का कार्य अधूरा-मंदसौर शहर के संजीत रोड स्थित ओवर ब्रिज का अभी भी कुछ अधूरा कार्य पड़ा हुआ है। जिससे सड़क पर गिट्टी पत्थर पड़े हुए है एवं पोल का कार्य भी अधूरा पड़ा है।

दो बाइक की भिड़ंत, तीन लोग घायल

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार रात शहर के महू रोड बस स्टैंड के पास माधोपुरी बालाजी मंदिर के समीप एक सड़क हादसा हो गया। दो बाइक सवारो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर घायलों को एंबुलेंस से बड़े अस्पताल ले जाया गया। जहां से एक गंभीर घायल व्यक्ति को राजस्थान के उदयपुर रेफर किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार हादसे में घायल करण पिता पन्नालाल डूंगरवाल और गोपाल पिता जितेंद्र यादव निवासी स्कीम नंबर 7 नीमच, महू रोड पर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे जुबेर पिता फिरोज निवासी बाग पिपलिया की बाइक से उनकी टक्कर हो गई।

बताया जा रहा है कि करण और गोपाल, जो चाचा-भतीजा हैं, एक बाइक पर सवार होकर अपने घर की ओर जा रहे थे। तभी अपने गांव की ओर जा रहे जुबेर की बाइक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। तीनों का उपचार बड़े अस्पताल में जारी है। गोपाल को गंभीर चोट के चलते रेफर किया गया।

शहर के तीन स्पा सेंटर पर पुलिस रेड

महिला पुलिस अधिकारियों ने दी दबिश, मसाज पैकेज में 25 हजार रुपए तक का रेट

रतलाम, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में स्थित तीन स्पा सेंटर पर गुरुवार रात पुलिस ने दबिश दी। दबिश मारने में सभी महिला पुलिस अधिकारी शामिल रहीं। अजाक थाना प्रभारी लीलियन मालवीय के नेतृत्व में पुलिस लाइन से इंस्पेक्टर नीलम चौंगड़, प्रिती कटारे, सूबेदार मोनिका चौहान के साथ महिला पुलिस कर्मियों ने अलग-अलग दबिश दी। पुलिस टीम न्यू रोड पर संचालित औरा थाई व मंत्रा थाई एवं गीता मंदिर रोड पर द यूनीक स्पा सेंटर पर पहुंची। महिला पुलिस अधिकारियों ने स्पा सेंटर की तलाशी ली। रजिस्टर व अन्य दस्तावेज चेक किए। द यूनीक स्पा सेंटर का मैनेजर मौके पर मिला। वहीं मंत्रा व औरा थाई स्पा सेंटर पर तीन महिलाएं मिली, जो कि वहां काम करती हैं। महिलाएं रतलाम की नहीं है। पुलिस ने सभी से पूछताछ की। मौके पर कोई ग्राहक नहीं मिला। बताया जा रहा है कि पुलिस ने स्पा सेंटरों पर अनैतिक काम की सूचना पर यह कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारी इसे रुटीन चेकिंग बता रहे हैं। जांच अधिकारियों की माने तो कर्मचारियों के वेरिफिकेशन, स्पा सेंटर के लाइसेंस समेत अन्य दस्तावेज जांचे हैं। आपत्तिजनक कुछ नहीं मिला।

पुलिस को द यूनीक स्पा सेंटर से मसाज के पैकेज का रेट कार्ड भी मिला है। जिसमें 1800 रुपए से लेकर 25 हजार रुपए तक की मसाज पैकेज के रेट लिखे हुए हैं। पुलिस ने स्पा सेंटर पर काम करने वाले मैनेजरों को भी अपने साथ थाने पर लेकर गई। बता दें कि स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में 4 स्पा मसाज सेंटर संचालित होते हैं। उक्त तीन के अलावा फ्रीगंज क्षेत्र में गोल्डन थाई स्पा सेंटर भी है। जांच के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों ने बीट के पुलिसकर्मियों को भी बुलाया। उन्हें भी कहा कि समय-समय पर चैक किया करो।

इनका कहना...

महिला अधिकारियों ने रुटीन चेकिंग की है। स्पा सेंटर से जुड़े दस्तावेज, लाइसेंस आदि की जानकारी ली है। समय-समय पर लगातार चेकिंग की जाएगी।

अमित कुमार
पुलिस कप्तान रतलाम

विचार-मंथन

पेपर लीक से युवाओं का करियर अंधकारमय

पिछले कुछ समय से प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चाफोड़, धांधली और अपारदर्शिता के आरोप लगातार लगते रहे हैं। इसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतरते, अदालतों के दरवाजे खटखटाते देखे जाते हैं। बीता वर्ष शिक्षा के मामले में सबसे अधिक इसीलिए सुर्खियों में रहा कि उस दौरान लगातार परीक्षाओं पर विवाद उठते रहे। चाक-चौबंद माने जाने वाले राज्य सेवा आयोगों की परीक्षाओं में भी पर्चाफोड़ की घटनाएं हुईं। इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में दाखिले के लिए कराई जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर गंभीर आरोप लगे। कर्मचारी चयन आयोग, पुलिस भर्ती परीक्षा, यूजीसी की पात्रता परीक्षा आदि में पर्चाफोड़ के मामले सामने आए। कई परीक्षाएं दोबारा करानी पड़ीं। कइयों में पर्चाफोड़ करने वाले गिरोह पकड़े गए। फिर भी स्थिति में सुधार की कोई सूरत नजर नहीं आती। अभी उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग की परीक्षा में सामान्यीकरण यानी 'नार्मलाइजेशन' के प्रावधान पर उठा विवाद ठंडा भी नहीं हुआ था कि बिहार राज्य लोक सेवा आयोग ने भी ऐसा ही फैसला सुना दिया, जिसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतर आए। फिर बिहार राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पर्चाफोड़ के तथ्य उजागर हो गए। इसे लेकर कुछ केंद्रों पर फिर से परीक्षा कराने का फैसला किया गया। मगर छात्रों ने मांग उठा दी कि पूरी परीक्षा दुबारा कराई जाए, ताकि परीक्षा में पारदर्शिता बनी रहे। इस मांग को रोकने के लिए बिहार सरकार ने छात्रों के खिलाफ दमन का रास्ता अख्तियार किया। इस तरह की घटनाओं से प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाले संस्थानों और उनकी पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर से युवाओं का भरोसा कमजोर हो चुका है। शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश परीक्षाएं आयोजित कराने के मकसद से राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए का गठन किया गया। दावा किया गया कि प्रवेश परीक्षाओं में होने वाली धांधली को रोका जा सकेगा। मगर अपने गठन के शुरूआती चरण से ही यह एजंसी लगातार विवादों के घेरे में बनी हुई है। हर वर्ष कहीं न कहीं गलत पर्चा बंट जाने, देर से पर्चा बंटने या पर्चाफोड़ की वजह से विवाद छिड़ जाता है। इसके चलते कई बार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया में विलंब होता है। बीते वर्ष 'नीट' को लेकर पैदा हुआ विवाद अब तक का सबसे लंबा चला विवाद था। उसकी वजह से विद्यार्थियों का करीब एक पूरा सत्र बर्बाद चला गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग में पर्चाफोड़ के कारण परीक्षार्थियों का पूरा एक वर्ष बर्बाद चला गया। सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने में विलंब के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। ऐसे में, जो भर्ती प्रक्रिया शुरू भी होती है, उसमें पारदर्शिता न होने के कारण लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना रहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए युवा बरसों-बरस मेहनत करके तैयारी करते हैं, मगर कुछ चालबाज और शातिर सेंधमारी कर उनमें अयोग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश कराने का प्रयास करते हैं, तो योग्य युवाओं की सारी मेहनत बर्बाद चली जाती है। इसमें धन और समय की बर्बादी के साथ-साथ बहुत सारे युवाओं का पूरा जीवन ही अंधकारमय हो जाता है। परीक्षाओं के टलते रहने या देर से भर्तियां निकलने के कारण जिन युवाओं की अधिकतम आयु सीमा पार हो जाती है, उनके दर्द को कौन महसूस करेगा। यह समझ से परे है कि प्रतियोगी परीक्षाओं पर इतने विवाद के बावजूद सरकारें इनमें पारदर्शिता लाने का कोई भरोसेमंद उपाय क्यों नहीं जुटा पा रही हैं।

यह वर्ष देगा भारत को विकास की असीम संभावनायें!

डॉ. आरके सिन्हा

2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे। आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्व भर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक, भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी। आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है। भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है। यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बांधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से। 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए है। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

लाहौर में भगत सिंह की विरासत को मिली जगह

अरुणिम भुयान

द नेशन न्यूज वेबसाइट ने बताया कि (पंजाब प्रांत की) मुख्यमंत्री मरियम नवाज के निर्देश पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की विरासत को सम्मान देने के लिए पुंछ हाउस में गैलरी की स्थापना की गई है। गैलरी में ऐतिहासिक तस्वीरों, पत्रों और अखबारों की कतरनों के संग्रह के माध्यम से भगत सिंह के स्वतंत्रता संग्राम को दिखाया गया है। यह घटनाक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शहीद के सम्मान में लाहौर में शादमान चौक का नाम बदलने पर विवाद के एक महीने बाद हुआ है। नवंबर में लाहौर की जिला सरकार द्वारा शादमान चौक का नाम बदलकर भगत सिंह के नाम पर रखने की योजना को एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी की आपत्तियों के बाद टाल दिया गया था। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी द्वारा दायर अवमानना याचिका के जवाब में, लाहौर महानगर निगम ने कहा कि नाम बदलने वाली समिति के सदस्य कमोडोर (सेवानिवृत्त) तारिक मजीद ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। मजीद ने चौक का नाम बदलने पर एक रिपोर्ट में कहा कि आज के संदर्भ में, वह एक आतंकवादी था। उसने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की, और इस अपराध के लिए, उसे दो साथियों के साथ फांसी पर लटका दिया गया। पुंछ हाउस, जहां भगत सिंह गैलरी खोली गई है, पुंछ रियासत से जुड़ा हुआ है, जो ब्रिटिश शासन के दौरान बड़े जम्मू और कश्मीर क्षेत्र का हिस्सा था। इसका निर्माण पुंछ जागीर के शासक राजा मोती सिंह ने 1897 में एक विश्राम गृह के रूप में करवाया था।यह भवन पुंछ के महाराजा के लाहौर दौरे के समय उनके निवास के रूप में कार्य करता था। इसका निर्माण राजघराने, गणमान्य व्यक्तियों और राज्य से जुड़े अधिकारियों के लिए एक शानदार और कार्यात्मक स्थान प्रदान करने के लिए किया गया था। तो, पुंछ हाउस में भगत सिंह गैलरी खोले जाने का क्या महत्व है? दिसंबर 1928 में, भगत सिंह और उनके एक सहयोगी शिवराम राजगुरु, जो एक छोटे क्रांतिकारी समूह, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य थे, ने लाहौर में 21 वर्षीय ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की गोली मारकर हत्या कर दी, यह सोचकर कि सॉन्डर्स, जो अभी भी परिवीक्षा पर थे, ब्रिटिश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट थे, जिनकी वे हत्या करना चाहते थे। उन्होंने स्कॉट को लोकप्रिय भारतीय राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि उन्होंने लाठीचार्ज का आदेश दिया था जिसमें राय घायल हो गए थे और उसके दो सप्ताह बाद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई थी। जब सांडर्स मोटरसाइकिल पर पुलिस स्टेशन से बाहर निकले, तो सड़क के दूसरी ओर से निशानेबाज राजगुरु द्वारा चलाई गई एक गोली से वे गिर गए। जब वे घायल अवस्था में थे, तो सिंह ने उन्हें कई बार नजदीक से गोली मारी। सिंह के एक अन्य सहयोगी, चंद्रशेखर आजाद ने एक भारतीय पुलिस हेड कांस्टेबल, चन्नन सिंह को गोली मार दी, जिसने सिंह और राजगुरु के भागने के दौरान उनका पीछा करने का प्रयास किया। सिंह इसके बाद कई महीनों तक भागते रहे, और उस समय कोई भी सजा नहीं हुई। अप्रैल 1929 में फिर से सामने आए, उन्होंने और उनके एक अन्य सहयोगी, बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली में केंद्रीय विधान सभा की कुछ खाली बेंचों पर दो कम तीव्रता वाले घरेलू बम विस्फोट किए। उन्होंने गैलरी से नीचे विधायकों पर पर्चे बरसाए, नारे लगाए और अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करने दिया। भगत सिंह और उनके साथियों के खिलाफ लाहौर षडयंत्र केस के रूप में प्रसिद्ध मामला 5 मई, 1930 को पुंछ हाउस में शुरू हुआ। राजगुरु ने न्यायाधिकरण के गठन को ही चुनौती दी और कहा कि यह अवैधानिक रूप से अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उनके अनुसार, तत्कालीन ब्रिटिश वायसराय के पास सामान्य कानूनी प्रक्रिया को छोटा करने का अधिकार नहीं था। 1915 के भारत सरकार अधिनियम ने वायसराय को न्यायाधिकरण स्थापित करने के लिए अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया, लेकिन केवल तभी जब परिस्थिति की मांग हो।

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है। बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन-स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ। इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5467

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5466

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5467

संकेत: बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

वर्ग पहेली 5466 का हल

इ	ह	क		स		ग	र
छ	य	ह		न	ह	सु	ता
स		ली	ला	से	ठ		ना
क	ला			न	क	सी	र
र	न	क	ना		र	न	
ना	रा		न	गा	ना		थे
		स	ब	क		पु	रु
स	म	रा	ला			ला	ता

देश में प्रथम मध्यप्रदेश: खनिज ब्लाकों की सबसे अधिक नीलामी

मिला 10 हजार करोड़ से अधिक राजस्व, नवाचारों से मध्यप्रदेश बनेगा माइनिंग केपिटल

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नवाचारों से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार माइनिंग में नवाचार कर रही है। प्रदेश में सबसे पहले क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक्स को नीलामी में रखा गया है। सबसे अधिक खनिज ब्लॉक्स की नीलामी कर मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर आ गया है। प्रदेश की समृद्ध खनिज सम्पदा और नई खनन नीतियों से राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। खनिज संसाधनों के उपयोग से न केवल राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी, बल्कि रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश में कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट और बॉक्साइट जैसे खनिजों का विशाल भण्डार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश खनन के क्षेत्र में अधिक राजस्व प्राप्त कर नई उँचाइयाँ छू रहा है। प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 के मुकाबले खनिज राजस्व संग्रह में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, प्रदेश में पहली बार खनिज राजस्व संग्रह 5 अंकों में पहुंच गया। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस अवधि में 4 हजार 958 करोड 98 लाख रुपये प्राप्त हुए थे। जबकि वर्ष 2024-25 में यह प्राप्ति 10 हजार करोड रुपये से अधिक प्राप्त किया गया है।

मध्यप्रदेश खनिज ब्लॉक्स की नीलामी में सर्वप्रथम– मध्यप्रदेश मुख्य खनिज ब्लॉकों की सर्वाधिक संख्या में नीलामी करने में देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा वर्तमान में स्ट्रैटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल पर देश की आत्म-निर्भरता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे इन खनिजों की आयात पर निर्भरता कम हो सके। प्रदेश द्वारा इस खनिज समूह के अंतर्गत अभी तक ग्रेफाइट के 8 खनिज ब्लॉक, रॉक-फॉस्फेट खनिज के 6 ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये हैं। मुख्य खनिज के 20 ब्लॉकों की नीलामी के लिये विभाग द्वारा 9 अगस्त, 2024 को निविदा आमंत्रण सूचना-पत्र जारी की गयी है, जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण खनिज गोल्ड के 4 ब्लॉक, मैग्नीज खनिज के 16 ब्लॉक एवं कॉपर का एक ब्लॉक अभी तक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये हैं। भारत सरकार द्वारा जनवरी-2024 में एक्सप्लोरेशन नीति प्रभावशील की गयी। इस नीति के तहत मध्यप्रदेश राज्य द्वारा क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक नीलामी में रखे गये हैं। मध्यप्रदेश केंद्र सरकार की इस नीति का क्रियान्वयन करने वाला पहला राज्य बन गया है। खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में भी प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल, मुख्यत: रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम एवं दुर्लभ धातु (आरईई) के लिये कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 11 क्षेत्रों पर अन्वेषण कार्य किया गया। प्रदेश में जिला खनिज विभाग के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य, जिसमें पेयजल, चिकित्सा, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वच्छता, कौशल विकास और वृद्ध, विकलांग कल्याण के लिये 16 हजार 452 परियोजनाएँ स्वीकृत की गयी हैं, जिनकी लागत 4406 करोड रुपये है। इनमें से 7 हजार 583 परियोजना लागत 1810 करोड रुपये का कार्य पूर्ण हो गया है।

अवैध खनन को रोकने के लिये ई-चेकगेट की स्थापना– प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन रोकने के लिये एआई आधारित 41 ई-चेकगेट स्थापित किए जा रहे हैं। ई-चेकगेट पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी रीडर और ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहन की जाँच की जा सकेगी। परियोजना में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर तथा जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमाण्ड सेंटर स्थापित किया गया है। इस वर्ष तक सभी 41 ई-चेकगेट की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है। अवैध खनन की रोकथाम के लिये उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना प्रारंभ की गयी है। इस परियोजना के माध्यम से 7 हजार खदानों को जियो टैग देकर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया गया है। यह परियोजना पूर्ण रूप से लागू होने पर अवैध खनन को चिन्हित कर प्रभावी कार्यवाही हो सकेगी। परियोजना के लागू होने पर स्वीकृत खदान के अंदर 3-डी इमेजिंग तथा वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर उत्खनित खनिज की मात्रा का सटीक आँकलन किया जा सकेगा। माइनिंग में नवाचारों से प्रदेश की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी, साथ ही इससे मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर खनिज उत्पादक राज्य के रूप में नई पहचान मिलेगी।

निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन– मध्यप्रदेश सरकार निजी क्षेत्र को प्रदेश के प्रचुर खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिये प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में हाल ही में भोपाल में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में कई बड़ी कम्पनियों ने माइनिंग सेक्टर में निवेश की इच्छा जताई है। कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने खनिज क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये कई सुधार किये हैं। इनमें पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया, पर्यावरण-अनुकूल खनन और स्थानीय समुदायों को मुनाफे में भागीदारी देने जैसे कदम शामिल हैं।

प्रदेश में है देश का एकमात्र हीरा भण्डार– प्रदेश के पन्ना जिले में देश का एकमात्र हीरे का भण्डार है। हीरा खदान से प्रतिवर्ष एक लाख कैरेट हीरे का उत्पादन होता है। मलाजखण्ड कॉपर खदान भारत की सबसे बड़ी ताम्बा खदान है। इस खदान से प्रतिदिन 5 से 10 हजार ताम्बा निकाला जाता है। भारत के कुल ताम्बा भण्डार का 70 प्रतिशत ताम्बा मध्यप्रदेश में है। राज्य में स्थित सासन कोयला खदान भी अपने विशाल खनन उपकरणों के लिये प्रसिद्ध है। मध्यप्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। प्रदेश में लाइम-स्टोन, डायमण्ड और पाइरोफ्लाइट जैसे खनिज संसाधन हैं। मध्यप्रदेश के जिलों में खनिज के भण्डार हैं, जिसमें सतना, रीवा और सीधी में लाइम-स्टोन, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, गोल्ड और ग्रेनाइट, सिंगरौली में कोयला, गोल्ड और आयरन, शहडोल, अनूपपुर और उमरिया में कोयला, कोल बेड, मिथेन और बॉक्साइट, छतरपुर, सागर और पन्ना में डायमण्ड, रॉक फास्फेट, आयरन, ग्रेनाइट, लाइम, डायस्पोर और पाइरोफ्लाइट, जबलपुर और कटनी में बॉक्साइट, डोलोमाइट, आयरन, लाइम-स्टोन, मैग्नीज, गोल्ड और मार्बल, नीमच और धार में लाइम-स्टोन, बैतूल में कोयला, ग्रेफाइट, ग्रेनाइट, लीड और जिंक, छिंदवाडा में कोयला, मैग्नीज और डोलोमाइट, बालाघाट में कॉपर, मैग्नीज, डोलोमाइट, लाइम-स्टोन और बॉक्साइट, मण्डला और डिण्डोरी में डोलोमाइट और बॉक्साइट, ग्वालियर और शिवपुरी में आयरन, फ्लेग-स्टोन और क्वार्ट्ज, झाबुआ और अलीराजपुर में रॉक फस्फेट, डोलोमाइट, लाइम-स्टोन, मैग्नीज और ग्रेफाइट के भण्डार हैं।

पत्रकारों वार्ता में आचार्य श्री रामानुज जी के उदगार ...

सकारात्मकता को गतिमान करने में कथाकार और पत्रकार दोनों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नकारात्मकता तो चारो तरफ है लेकिन इसमे सकारात्मकता को ढूंढ कर गतिमान करे तो हमारा मंदसौर बहुत उन्नति करेगा। कथाकार और पत्रकार दोनों यात्री है एक सवाल लेकर चलता है और दूसरा उत्तर लेकर मुक्ति पा लेता है।

यह बात आचार्य श्री रामानुजजी ने मंदसौर के रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। आचार्य श्री व्यासपीठ पर विराजित होकर आज 4 जनवरी से 12 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में आयोजित रामकथा का रसपान कराएंगे। पत्रकारों से चर्चा करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि पहली बार जब मन्दसौर आया था रुद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला के इसी परिसर में शतचंडी यज्ञ हुआ था उसमे हर दिन धर्मसभा होती थी तब गरीब कन्याओं के विवाह का संकल्प आया था जो आज पूरा हो रहा है। अभी की रामकथा उसी संकल्प की पुनरावृत्ति है। आचार्य श्री ने कहा कि जिंदगी भी कभी संवाद के राजमार्ग पर सरपट दौड़ती है तो मुस्कराती है लेकिन वही जिंदगी विवाद की भवाटरी में अटक जाए तो खो जाती है। लेकिन यह सच्चाई है कि चाहे कितना भी विवाद कर लो लेकिन अंत मे सत्य अवश्य मुस्कराता है।

एक प्रश्न के जवाब में आने कहा युवा सफलता के लिए दौड रहे हैं लेकिन जीवन मे सफल वही है जिसने जीवन को सार्थक किया है। सफलता और सार्थकता दोनों एक दूसरे से जुड़े हैं। सफलता वह नही है जो युवा मोबाइल पर एक के बाद एक स्क्रोल करके समझता है। सफलता वह है कि आपने अपने जीवन मे जो लक्ष्य बनाया है उसे प्राप्त कर ले तो वह जीवन सफल भी माना जायेगा और सार्थक भी। आचार्य श्री ने कहा कि जिन युवाओ के कांधे पर निर्माण की जिम्मेदारी है उन्हें जब सडक पर फालतू घूमते हुए देखता हूं तो वेदना होती है। आचार्य श्री ने एक और प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि व्यासपीठ की अपनी एक मर्यादा होती है उस पर बैठने के बाद कोई अपना और पराया नहीं होता। व्यासपीठ के लिए सब समान है। आपने 9 दिवसीय रामकथा को श्रवण करने का आव्हान किया और कहा कि पुनीत संकल्प के साथ रामकथा हो रही है। नगरवासी अधिकाधिक संख्या में इसमे सम्मिलित हो। प्रारंभ में श्री हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने आचार्य श्री का स्वागत करते हुए स्वागत उदबोधन दिया और 9 दिवसीय रामकथा के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने कहा कि आज 4 जनवरी को दोपहर 12.30 बजे तलाई वाले बालाजी मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन पहुँचेगी । यहां व्यासपीठ पर विराजित होकर आचार्य श्री रामानुजजी रामकथा का रसपान कराएंगे। पूरे रास्ते भर कलश यात्रा का भव्य स्वागत होगा इसके लिए 100 से ज्यादा स्वागत मंच बनाये जा रहे हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि रामकथा 21 कन्याओं के विवाह के पुनीत संकल्प के साथ हो रही हैं। नगर के दानदाताओं और समाजसेवियों के सहयोग से अक्षय तृतीया के अवसर पर मन्दसौर में विवाह का आयोजन धूमधाम से होंगा जिसमे सभी कन्याओ को एक लाख रुपये तक की सामग्री दानदाताओं के सहयोग से दी जाएगी। आपने कहा कि पुनीत संकल्प के साथ हो रही कथा जन-जन की कथा है जिसमे।अधिक से अधिक संख्या में नगरवासी सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करे। इस अवसर पर आचार्यश्री नें पत्रकार बंधुओ का दुपट्टा ओढाकर सम्मान किया।संचालन वरिष्ठपत्रकार एव हरिकथा आयोजन समिति के संयोजक ब्रजेश जोशी ने किया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में नरेंद्रसिंह का बनाया आयुष्मान कार्ड

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक जन कल्याण अभियान संचालित हो रहा है। जन कल्याण अभियान के तहत जिले में शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। जनकल्याण अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक और लक्ष्य आधारित 45 योजनाओं की 63 सेवाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर के अंतर्गत ग्राम धंधोडा में श्री नरेंद्रसिंह पिता करणसिंह सिसोदिया जिनकी उम्र - 72 वर्ष है। इनका शिविर में ही तत्काल आयुष्मान कार्ड बनाया गया। अब इनको आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा।

सामाजिक समरसता मंच जिला इकाई द्वारा श्रीमती सावित्रीबाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम सम्पन्न

मनासा, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आज मनासा में सामाजिक समरसता मंच जिला इकाई नीमच द्वारा आयोजित पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई की 300वी जन्मशताब्दी वर्ष एवं श्रीमती सावित्रीबाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमति निशा जोशी (बांसवाडा विभाग कार्यवाहिका चित्तौड प्रांत), श्रीमति स्नेहल मूंदड़ा (उपाध्यक्ष वनवासी कल्याण परिषद्), श्रीमति सावी सोनी (जन भागीदारी समिति सदस्य महिला प्रतिनिधि) मंचासिन थे। मुख्य वक्ता निशा दीदी ने उपस्थित मातृशक्ति को देवी अहिल्याबाई के जीवन और सावित्रीबाई फुले की जयंती पर प्रकाश डाला और एक मां ही अपने शिशु का अच्छे से निर्माण करके उन्हें छत्रपति

शिवाजी महाराज बना सकती हैं जैसे उदाहरण देते हुए साथ ही मातृशक्ति को राष्ट्र सेविका समिति के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में अपने जीवन में संघर्षरत पांच मातृशक्ति का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया, कार्यक्रम में अनेक मातृशक्ति उपस्थित रही । कार्यक्रम का संचालन श्रीमति ममता सोनी, स्वागत उद्बोधन श्रीमति मधु कुशवाह, आभार श्रीमति वंदना व्यास ने माना।

भूमि आपत्ति हेतु आवेदन 10 तक प्रस्तुत करें

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार मल्हारगढ ने बताया कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद मल्हागढ के श्री राजेश गुप्ता के द्वारा ग्राम मल्हारगढ तहसील मल्हारगढ जिला मन्दसौर स्थित भूमि सर्वेनम्बर 310 रकबा 2.5040 में से रकबा 0.10 भूमि पर सिवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट निर्माण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह इस विज्ञप्ति के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अथवा प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 10 जनवरी 2025 तक दर्ज करा सकते है।

सभी अधिकारी कर्मचारी फार्मल ड्रेस में कार्यालय आए-चंद्रा

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी फार्मल ड्रेस में कार्यालय आए। साथ ही जिन अधिकारी कर्मचारियों के लिए गणवेश निर्धारित है, वे अनिवार्य रूप से निर्धारित गणवेश में ही कार्यालय में आए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित जिला कोषालय नीमच के निरीक्षण के दौरान दिए। इस मौके पर जिला कोषालय अधिकारी श्री बी.एम.सुरावत व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कोषालय के बाहर जमा, पुरानी आलमारी एवं फर्नीचर को, जिन्हे आवश्यकता है, उन्हें प्रदान करने के निर्देश जिला नाजिर को दिए। उन्होने कलेक्टर कार्यालय परिसर एवं कार्यालय के सभी कोरिडोर में पर्याप्त साफ-सफाई एवं प्रकाश की व्यवस्था करवाने के निर्देश जिला नाजिर को दिए। कलेक्टर ने जिला कोषालय कार्यालय के एक कर्मचारी द्वारा टीशर्ट पहनकर कार्यालय में उपस्थित पाए जाने पर अप्रसन्नता

व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारी का एक दिन का वेतन भुगतान रोकने और कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कोषालय के दृढ कक्ष का निरीक्षण भी किया। उन्होने जिला नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर वहां उपस्थित कर्मचारियों द्वारा संपादित कार्यो की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला नियंत्रण कक्ष से सीएम हेल्पलाईन के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों और आवेदकों को कॉल कर शिकायतों का निराकरण करवाएं। उन्होने राजस्व एवं नगरपालिका से संबंधित शिकायत के निराकरण पर फोकस करने के निर्देश भी जिला कंट्रोल रूम के प्रभारी एवं कर्मचारियों को दिए।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जावद में युवा संगम कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शुक्रवार को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय जावद में युवा संगम संयुक्त रोजगार मेला एवं वायु सेवा में भर्ती हेतु इंडियन एयर फोर्स पब्लिसिटी ड्राइव कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में लगभग 220 लाभार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में वायु योद्धाओं द्वारा वायुसेना भर्ती, अग्निवीर वायुसेना भर्ती प्रक्रिया के बारे में युवाओ को विस्तार से जानकारी दी गई।

नए वर्ष पर घने कोहरे से तेज धूप ने दी राहत

खजूरीआंजना, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नए वर्ष की पहली सुबह रहवासियों के लिए घने कोहरे और कडाके की ठंड के बीच गुजरी। आमजन सूर्य को अर्घ्य नहीं दे सके क्योंकि पूरा क्षेत्र कोहरे की चादर में लिपटा रहा।

दिनभर कोहरे का असर दिखाई दिया, और लोग जगह-जगह अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते रहे। हालांकि, 3 जनवरी की सुबह मौसम ने करवट ली। अलसुबह 6:30 बजे के बाद घना कोहरा छंट गया और आसमान एकदम साफ हो गया। सूर्य देव के दर्शन होते ही पूरा क्षेत्र रोशनी से चमक उठा। रहवासियों ने तेज धूप का आनंद लिया, जिसने ठंड से थोडी राहत दी। सुबह 10 बजे तक धूप इतनी तेज हो गई कि लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा। तेज धूप न केवल आमजन के लिए राहत लेकर आई, बल्कि इससे खेतों में खडी फसलें भी लहलहा उठीं। किसानों का मानना है कि धूप का यह असर फसलों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा। ठंड और कोहरे के बीच बदलते मौसम ने न केवल क्षेत्रवासियों को सुकून दिया, बल्कि नई उम्मीदों के साथ नए साल की शुरुआत को खास बना दिया।

शारदा विद्या निकेतन स्कूल भाटखेड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

मनासा/भाटखेड़ी, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शारदा विधा निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाटखेडी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रम व

पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज पुरोहित सरपंच ग्राम पंचायत भाटखेडी, सुरेश पाटीदार मास्टर ट्रेनर, राकेश गुर्जर अभियान आजतक ब्यूरो चीफ नीमच के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में विधार्थियों द्वारा नाटक,डांस,मोनो एक्टिंग, आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विधालय द्वारा पुरे वर्ष भर खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई उसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने, संभागस्तरीय, राज्यस्तरीय व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाले विधार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुनील कारपेंटर ने किया व आभार संस्था प्रमुख रामचंद्र पाटीदार ने माना।इस अवसर पर सभी शिक्षक -शिक्षिकाए व पालकगण एवं विधार्थियों मौजूद थे।

जिले में 10 को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.पंचायत राज एवं ग्राम स्व राज अधिनियम, 1993 की धारा 6, मध्य प्रदेश ग्राम सभा(सम्मिलन की प्रक्रिया) नियम, 2001 अंतर्गत जिले में 10 जनवरी 2025 को राजस्व् महा अभियान 3.0 के तहत विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम सभा में परम्पपरागत रास्तों् के विवादों का निराकरण एवं नक्शा शुद्धिकरण के तहत नक्शा 1 तरमीन का कार्य किया जावेगा। कलेक्ट्र श्री हिमांशु चंद्रा ने एसडीएम नीमच, जावद एवं मनासा एवं जनपद सीईओ नीमच, जावद एवं मनासा को निर्देशित किया है, कि अपने क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा का आयोजन कराया जाना सुनिश्चित करें।

श्रीमती नारायणी बाई पालीवाल का निधन

पिपलियामंडी, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। फाटक मोहल्ला निवासी श्रीमती नारायणी बाई पति स्व. शांतिलाल पालीवाल का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शुक्रवार को फाटक मोहल्ला निवास से निकली अंतिम यात्रा में बडी संख्या में समाज जन व गणमान्य नागरिक शामिल हुए। पुत्र रमेश पालीवाल, डॉ. जगदीश पालीवाल, पूर्व पार्षद मनोहर पालीवाल ने मुखाग्नि दी।

दशपुर भावसार समाज मंदसौर में हुआ फुल टू मस्ती, जीना इसी का नाम है, एक दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

जीवन जीने की कला सिखाने वाले मोटिवेशनल स्पीकर भावसार संतोष देवताले का हुआ नागरिक अभिनंदन

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सांसारिक भागदौड की जिंदगी में आज स्कूल के बच्चे से लेकर बडे से बडा अधिकारी हो, नेता हो या अभिनेता हो, आज हर व्यक्ति तनाव का जीवन जी रहा है। फूल टू मस्ती एक दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से हम परेशान और तनाव से भरे हुए व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने का काम कर रहे हैं। उक्त उदगार भावसार समाज के खेल, कला और संस्कृति विभाग के नेशनल चेयरमैन बुरहानपुर निवासी संतोष देवताले ने मंदसौर में आयोजित 'फूल टू मस्ती जीना इसी का नाम है, एक दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत बडी संख्या में उपस्थित भावसार समाज बंधुओ और बहनों को संबोधित करते हुए कहीं। देवताले विगत 17 वर्षों से आध्यात्मिक संस्था आर्ट ऑफ़ लिविंग के माध्यम से अलग-अलग शहरों में समाजजनों के बीच पहुंचकर उन्हें जिंदगी जीने का असली तरीका सीखा रहे हैं। बुरहानपुर शहर मात्र में आज उनके माध्यम से 10000 से अधिक महिला, पुरुष तनाव रहित हंसते हँसाते जीवन जीने की कला सीख चुके हैं। उनके इस पुनीत कार्य के लिए दशपुर भावसार समाज मंदसौर के द्वारा आयोजित 'फूल टूमस्ती जीना इसी का नाम है' कार्यक्रम के अंतर्गत मंदसौर भावसार समाज के अध्यक्ष महेश भावसार ने शाल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर मोटिवेशनल स्पीकर और

आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक संतोष देवताले का नागरिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भावसार क्षत्रिय महासभा की महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष इंदौर से पधारी अनुपमा मगरे ने भी देवताले के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आप वर्तमान समय में अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए अलग-अलग शहरों में पहुंचकर बिना कोई शुल्क लिए यह जो समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं, बहुत ही वंदनीय है। मंदसौर शहर की भावसार धर्मशाला में आयोजित इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया भावसार क्षत्रिय महासभा के नेशनल प्रेसिडेंट समाजभूषण डॉक्टर राजू जवलकर (गुलबर्गा) एवं हाई पावर कमेटी के प्रमुख सदस्य अनिल धवले (पूना) ने भी वर्चुअल उद्बोधन के माध्यम से देवताले के इस अनूठे सेवा कार्य की खूब खूब प्रशंसा की। और आपने मंदसौर के समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा ऐसे आयोजन के माध्यम से समाज एकता और भाईचारे के सूत्र में प्रगाढता के साथ जुड जाता है। नैशनल प्रेसिडेंट समाजभूषण डॉक्टर राजू जवलकर ने गुलबर्गा कर्नाटका से इस कार्यक्रम में वर्चुअल सहभागिता करते हुए उपस्थित समाज बंधुओं से कहा कि हमारे संतोष देवतालेजी इसके पहले भी ओंकारेश्वर में ऐसे ही सुंदर और सफल आयोजन के माध्यम से सभी को जिंदगी की फुल टू मस्ती का आनंद दे चुके हैं। मंदसौर भावसार समाज की तर्ज पर मोटिवेशनल स्पीकर और हमारे नेशनल इवेंट सेक्रेटरी संतोष देवताले के इस ज्ञान का पूरा सदुपयोग करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों में भी ऐसे शानदार आयोजन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मंदसौर भावसार समाज के अध्यक्ष महेश भावसार, प्रांतीय सचिव नवीन भावसार, श्याम भावसार, नविन भिंडवाल, सचिव संजय भावसार और कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश भावसार ने बताया कि इस फूल टू मस्ती के एक दिवसीय आयोजन में मंदसौर के अलावा उज्जैन, इंदौर, देवास, शाजापुर भोपाल, गन्धर्वपुरी, खरगोन ,खंडवा, रतलाम, नागदा, जीरापुर, भावगढ और मक्सी जैसे अनेक शहरों से 500 से अधिक समाज बंधु और माताएँ बहनें एकत्रित हुई। सुबह से शाम तक चलें आयोजन में सूत्रधार संतोष देवताले ने तनाव रहित हँसते हँसाते जीवन जीने की कला के गुर सिखाते हुए सभी को अलग-अलग खेल के द्वारा व जीवन दर्शन पर आधारित प्रेरणादायक गीतों के माध्यम से झूमने पर मजबूर कर दिया। संध्याकालीन सत्र में भावसार समाज की खेल, कला और संस्कृत विभाग की मध्यप्रदेश इकाई के द्वारा संगीत निशा का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भावसार क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष इंदौर निवासी विपिन भावसार और खेल कला संस्कृति विभाग के मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष उज्जैन से पधारे अनिल भावसार, ललित भावसार, अभिषेक भावसार और उनकी पूरी टीम ने रंगारंग प्रस्तुति से पूरे पंडाल में फूल टू मस्ती का वातावरण निर्मित कर दिया। इस अभूतपूर्व आयोजन को सफल बनाने में मंदसौर भावसार समाज की महिला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती किरण प्रद्युम्न भावसार, सचिव सपना मुरलीधर जी भावसार, कोषाध्यक्ष श्रीमती सपना प्रवीण भावसार, चित्रा भावसार, ज्योति भावसार, रानू भावसार, आराधना भावसार, वर्षा राजेश भावसार, आस्था भावसार , भावसार युवा वर्ग में हर्षल भावसार, अरुण भावसार की प्रमुख भूमिका रही, और इसी प्रकार उज्जैन के समाज बंधुओं का भी अभूतपूर्व सहयोग रहा। शाम की संगीत निशा में भावसार समाज के मंदसौर निवासी राष्ट्रीय कवि मुकेश भावसार की हिंगलाज माता के उद्गम विषय पर आधारित प्रस्तुत की गई कविता ने तथा मिताली भिंडवाल के क्लासिकल नृत्य की प्रस्तुति ने सभी समाज बंधुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	179	2312	2452
उडद	57	5200	6670
सोयाबीन	2500	3500	4350
गैहु	1290	3000	3237
चना	153	5301	6317
मसुर	83	5400	6000
धनिया	193	5800	7400
लहसुन	12000	11111	23551
मैथी	395	4520	5752
मुंगफली	2440	4600	5431
अलसी	697	5700	6100
सरसो	241	5001	5780
तारामीरा	1	4799	4799
इसबगोल	31	10801	12180
प्याज	13000	500	2180
कलोंजी	14	14701	17961
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	29	5990	10590
तिल्ली	49	9700	12341
जौ	4	2700	2753
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	44	12601	14203
मूंग	1	2400	2400

प्रायवेट टीवी चैनल मानिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तटरीय प्रायवेट टी.वी. चैनल, प्रायवेट एफएम चैनल और कम्युनिटी रेडियों स्टेशन पर प्रसारित कंटेन्टा/सामग्री की मॉनिटरिंग के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक 3 जनवरी 2025 शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया की उपस्थिति में आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया ने सुझाव दिया, कि समिति की आगामी बैठक में जिले के केबल ऑपरेटरों/ संचालकों को भी आमंत्रित किया जाए। सदस्य श्रीमती उषा गुप्ता ने सुझाव दिया, कि प्रायवेट टी.वी.चैनलों पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री, कंटेन्टी के संबंध में शिकायत प्राप्ति करने के लिए व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय ने अवगत कराया कि जिले में वर्तमान में अब तक कोई एफएम चैनल, कम्युनिटी रेडियों स्टेशन संचालित नहीं है। बैठक में समिति गठन के उदेश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि समिति स्थानीय स्तर पर टेलिविजन प्रसारण, प्लेटफार्म, ऑपरेटरों पर नजर रखने के लिए है, कि प्रसारित सामग्री निर्धारित कार्यक्रम और विज्ञापन संहिता के अनुरूप हो। प्रसारित सामग्री संतुलित, निष्पक्ष हो और किसी भी समुदाय को अपमानित या उत्तेहजित करने की संभावना नहीं हो। बैठक में बताया गया, कि यदि किसी चैनल पर उपरोक्तानुसार यदि कोई आपत्तिजनक कंटेंट/सामग्री प्रसारित होती है, तो इस संबंध में मय प्रमाण के शिकायत समिति सचिव, सहायक संचालक जनसंपर्क कार्यालय नीमच के माध्यम से समिति को प्रस्तुत की जा सकती है। बैठक में समिति सदस्य श्री कैलाश बोरिवाल, श्रीमती उषा गुप्ता, श्री श्याम गुर्जर, आदि ने भी अपने महत्व पूर्ण सुझाव दिए। बैठक में डीआईओ श्री योगेश जैन, प्राचार्य श्री एन.के.डबकरा, मनोविज्ञान प्रो.तनवी सक्से ना भी उपस्थित थे।

अनुराग जनजागरण पदयात्रा कल

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन के लक्ष्य को लेकर मंदसौर नगर से अनुराग (प्रेम) रखने वाले गणमान्य नागरिकों के मार्गदर्शन में पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निकाली जाने वाली पदयात्रा दिनांक 5 जनवरी 2025, रविवार को प्रात: ठीक 8.30 बजे महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा, संजीत नाका, मन्दसौर से प्रारम्भ होकर मीरा कॉलोनी, राज कॉलोनी, लक्ष्मी नगर, अरोरा कॉलोनी, पटेल नगर क्षेत्र में भ्रमण करेगी। पैदल चलने में असमर्थ महानुभाव प्रात: 9 से 9.15 के मध्य एकत्रीकरण स्थल महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा, संजीत नाका, मन्दसौर पर पधारकर आमजन हित के इस अभियान को अपना नैतिक समर्थन अवश्य प्रदान करें।

कृषि मंत्री कंसाना आज वायुयान से नीमच आएंगे

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के किसान कल्याण तथा

कृषि विकास मंत्री श्री ऐंदल सिह कंसाना आज 4 जनवरी को नीमच आएंगे। श्री कंसाना आज 4 जनवरी 2025 को प्रात: 11 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा प्रस्थान कर, दोपहर 12.05 बजे नीमच हवाई पट्टी आएंगे और दोपहर 12.10 बजे टाउन हॉल गांधीवाटिका नीमच के पास जिला गुर्जर समाज के नववर्ष मिलन एवं प्रतिभा सम्माजन समारोह में शामिल होने के बाद नीमच से अपरान्हे 3 बजे वायुयान से भोपाल के लिए प्रस्था न करेंगे।

श्री हनुमंत कथा के षष्ठम दिवस सीता स्वयंवर की कथा श्रवण कर भाव विभोर हुए धर्मालुजन, आज समापन

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प.पू. हनुमान भक्त पं. दिलीपजी व्यास के मुखारविंद से नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में सात दिवसीय संगीतमय श्री हनुमंत कथा हो रही है। कल पं. दिलीपजी व्यास ने हनुमंत कथा में भगवान श्री राम व माता जानकी के विवाह का प्रसंग श्रवण कराया। श्री हनुमंत कथा में सीता स्वयंवर व रामजी के द्वारा भगवान परशुराम का धनुष भंग (तोड़ने) की कथा श्रवण कराई गई। पं. दिलीपजी के मुखारविंद से जैसे ही सीता स्वयंवर अर्थात राम जानकी विवाह का प्रसंग श्रवण कराया गया कथा पंडाल में श्री राम व माता जानकी के जयकारे गूंज उठे। पं. दिलीप ने कथा में कहा कि विश्वामित्र के सानिध्य में राम व लक्ष्मण जनकपुरी पहुंचे वहां सीता के स्वयंवर में उन्होंने गुरु आज्ञा से सहभागिता की। सीता स्वयंवर में कई शक्तिशाली राजा महाराजा भगवान परशुराम के धनुष को उठा नहीं सके तब गुरु की आज्ञा पर रामजी ने धनुष उठाकर उस पर पत्यन्चा चढानी चाही लेकिन धनुष भंग (टूट) हो गया। भगवान परशुराम का यह धनुष राजा जनक के पास था। उन्होंने इस धनुष की महिमा के कारण उसे सीता स्वयंवर में रखा था भगवान परशुराम को यह धनुष भगवान शिव ने उनकी तप तपस्या से प्रसन्न होकर प्रदान किया था। सीता स्वयंवर में जब यह धनुष भंग हो गया तब अचानक परशुराम वहां पहुंचे और उन्होंने सभी क्षत्रियों को ललकारा तब भगवान श्रीराम ने अपनी विनम्रता से उनके क्रोध को शांत किया और स्वयंवर जीतकर सीता को वरमाला पहनाई। पं. दिलीपजी व्यास ने जैसे ही यह प्रसंग श्रवण कराया कथा पंडाल में राम सीता बनी दो युवतियों को लाया गया और उन पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

पं. दिलीपजी व्यास ने श्री हनुमंत कथा में यह भी कहा कि विवाह योग्य युवक युवतियों को मर्यादाओं का पालन करना चाहिये। जब तक जीवन में मर्यादा है तब तक व्यक्ति का सम्मान बना रहता है। भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिये कहते है क्योंकि उन्होंने जीवन भर मर्यादाओं का पालन किया। गुरूकुल में गुरु आज्ञा का, अयोध्या में माता पिता की आज्ञा का पालन किया। आपने कहा कि राम जब जनकपुरी नगरी पहुंचे तो वहां भी उनका आचरण मर्यादा के अनुकुल था। रामचरितमानस में प्रसंग है कि राम व सीता का जनकपुरी के उद्यान में विवाह के पूर्व सम्पर्क हुआ था। लेकिन उस समय राम व सीता जो कि दोनों विवाह के योग्य थे। उन्होनें मर्यादित आचरण किया। यह प्रसंग प्रेरणा देता है कि युवक युवतियों को जीवन में मर्यादा का पालन करना ही चाहिये।

इन्होंने किया पौथी पूजन व आरती- श्री हनुमंत कथा के पंचम दिवस शुक्रवार को स्वदेशी जागरण मंच के महेन्द्रसिंह राजावत, अंकुश पालीवाल, अभिजीत मण्डलोई, सतीश बैरागी, जितेन्द्र पाटीदार, कनिष्क शर्मा, उदित जैन, दिलीप चौधरी, पूजा ठाकुर, मीनाक्षी पंवार, रेखा जोशी, पूर्व सैनिक परिषद के प्रहलाद राठौर, जितेन्द्र माली, नरेन्द्र खटवड, विकास ग्वाला, रामचन्द्र हरवा, छोटूराम बाथरा, भेरूलाल कराडिया, श्रीराम सेना के कुणाल श्रीवास्तव ने पौथी पूजन किया। श्री हनुमंत कथा के षष्ठम दिवस शुक्रवार की शाम को भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत, कांग्रेस नेता महेन्द्रसिंह गुर्जर, तरूण खीची, वरिष्ठ पत्रकार अजय लोढा, पूर्व पार्षद बाबा पंचोली, श्याम सखा मित्र मण्डल के शैलेन्द्र राठौर, मुकेश सेठिया, प्रीतम जैन, विष्णु परिहार एवं कुमावत समाज के प्रबुद्धजनों ने पौथी पूजन किया। आज 4 जनवरी शनिवार को सायं 4 बजे श्री हनुमंत कथा का समापन होगा।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आई 4.112 अरब डॉलर की कमी

नई दिल्ली, 03 जनवरी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। 27 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 4.112 अरब डॉलर की कमी आई और यह 640.279 अरब डॉलर पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को इससे जुड़े आंकडे जारी किए। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 8.478 अरब डॉलर घटकर 644.391 अरब डॉलर गयो गया था। पिछले कुछ हफ्तों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट दिखी हैं।

जानकारों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रुपये में उतार-चढाव को रोकने के लिए उठाए गए कदमों से फॉरेक्स रिजर्व पर दबाव बढा है। सितंबर महीने के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर 704।885 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 27 दिसंबर को समाप्त हुए हफ्ते के दौरान फॉरेक्स रिजर्व के अहम घटक विदेशी मुद्रा अस्तियों 4।641 अरब डॉलर की कमी आई और इसका भंडार कम होकर 551।921 अरब डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा अस्तियों के तहत अन्य विदेशी मुद्राओं, जैसे यूरो, पाउंड और येन की कीमतों में डॉलर की तुलना में उतार-चढाव की गणना की जाती है। आरबीआई के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 54।1 करोड डॉलर बढकर 66।268 अरब डॉलर पर पहुंच गया। केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) उक्त हफ्ते के दौरान 1।2 करोड डॉलर कम होकर 17।873 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 27 दिसंबर समाप्त हुए हफ्ते के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की रिजर्व स्थिति 4।217 अरब डॉलर पर स्थिर रही।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा दो फर्मों की जांच

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शुक्रवार 3 जनवरी 2025 को 2 फर्मों का निरीक्षण कर पांच नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत शर्मा ने बताया, कि विभाग द्वारा शुक्रवार को फर्म मक्खन द ढाबा आरटीओ ऑफिस के सामने महू रोड जमुनिया कला नीमच एक पनीर लूज व एक नमूना मक्खन लूज, होटल राजस्थानी महू रोड हिंगोरिया नीमच एक आदरणीय तेजा मिर्ची पाउडर पैक, एक पनीर लूज, व एक दही लूज का नमूना लिया गया। लिए गए नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा हैं। जांच रिपोर्टें प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को फुल देकर किया नियमों के प्रति जागरूक

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल, अति. पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात प्रभारी सुश्री उर्मिला चौहान के कुशल नेतृत्व में एवं यातायात की टीम द्वारा यातायात नियमों को लेकर वाहन चालको से यातायात नियमों के पालन करने की अपील की जाकर समझाईश दी गई।

वर्तमान समय में वाहनों की बढती दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात नियमों के प्रति वाहन चालको जागरूक करने के उददेश्य से यातायात की पूरी टीम द्वारा चोपडा चौराहा पर वाहन को रोककर उन्हे नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही कार्यवाही के दौरान दो पहिया वाहन चालक जो हेलमेट लगाकर निकले उन्हे फुल देकर उनका सम्मान व यातायात के नियमो का पालन करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किये वही बिना हेलमेट लगाये वाहन चालको को रोककर हेलमेट लगाने, दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी ना बैठाने, मोबाईल पर बात करते वाहन ना चलाने, व यातायात के नियमो के पालन करने की हिदायत दी। साथ ही चार पहिया वाहन चालको को रोककर मौके पर ही सीट बेल्ट लगवाये व समझाईश दी की जब भी चार पहिया वाहन चलाये सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाये इसमें उनका अपना बचाव है। इसके साथ ही ब्लैक लगी वाहनो को रोककर ब्लैक फिल्म उतरवाई गई। वाहनो की चैकिंग के दौरान यातायात द्वारा द्वारा 18 चालान बिना हेलमेट व 01 चालान ब्लैकक फिल्म कुल 19 चालान बनाकर 5900 रूपये समन शुल्क वसूला गया।

अपील - यातायात पुलिस द्वारा सभी वाहन चालकों से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने एवं सीट बेल्ट लगाकर निर्धारित गतिसीमा का पालन करने एवं शहरवासियों से अपील की गई की अपने नाबालिग बच्चो को वाहन चलाने नही देवे। यातायात प्रभारी सुश्री उर्मिला चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि हम अभी जनता को जागरूक कर रहे हैं।समझाईश दे रहे हैं। उसके बाद सख्ती दिखाते हुए चालानी कार्रवाई की जाएगी। अत: आम जनता से अनुरोध है कि वह यातायात नियमों का पालन करते हुए पुलिस प्रशासन को सहयोग करें। आज की कार्यवाही में ट्रैफिक पुलिस नीमच के एएसआई अशोक मोड ए एस आई पी डी डोडियार, बृजेश परिहार प्रधान आरक्षक गोपाल सोनी सहित अन्य कर्मचारीयों का सहयोग सराहनीय रहा।

गुर्जर समाज का नववर्ष मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आज

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में 04 जनवरी को गुर्जर समाज प्रतिभा का सम्मान समारोह का भव्य कार्यक्रम होने जा रहा है। जिसे लेकर तैयारियां भी जोरों-शोरों से चल रही है। कार्यक्रम में समाज के कई बडे वरिष्ठजन शामिल होंगे और प्रशंसा पत्र देकर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए गुर्जर समाज के जिलाध्यक्ष चंपालाल गुर्जर ने बताया कि, नीमच जिले में पहली बार यह ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहा है। जिसकी तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही है। सम्मान समारोह में समाज के कई युवा और वरिष्ठजन भी बढ-चढकर सहयोग करेंगे। नीमच की सभी तहसीलों के अध्यक्ष, समाज के सहयोगी संगठन और युवा गुर्जर महासभा देवसेना के सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए है। गुर्जर समाज के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर समाज में युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। प्रतिभा सम्मान समारोह में गुर्जर समाज की प्रतिभाओं के साथ ही विभिन्न शासकीय विभागों में अपनी सेवाएं देने वाले समाज के शासकीय सेवकों का भी सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के आव्हान पर मध्य प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री एदलसिंह कंसाना और राज्य सभा सांसद बंशीलाल गुर्जर भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में विधायक एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.के. दोगने, नागदा के पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र पटेल, मध्य प्रदेश देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष रघुवीर पटेल, नीमच के पूर्व मण्डी एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष उमरावसिंह गुर्जर, मनासा के पूर्व मंडी अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, नीमच जनपद के पूर्व अध्यक्ष जगदीश गुर्जर, रतनगढ नगर परिषद अध्यक्ष कचरूलाल गुर्जर, मनासा जनपद उपाध्यक्ष मोहन गुर्जर भी शामिल होंगे। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता गुर्जर समाज के जिलाध्यक्ष चम्पालाल गुर्जर कर रहे है। वहीं कार्यक्रम संयोजक देवा गुर्जर भी यहां मौजूद रहेंगे।

भारत विकास परिषद मंदसौर ने पोषण पुनर्वास केंद्र पर रूम हीटर प्रदान किये

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत विकास परिषद शाखा मंदसौर की महिला सहभागिता ईकाई द्वारा श्रीमती रेखा पोरवाल (नेशनल प्रोजेक्ट मेंबर भाविप) की प्रेरणा से शासकीय जिला चिकित्सालय, मंदसौर में स्थित बाल पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचार हेतु भर्ती बच्चों व उनकी माताओं के कडकडाती ठंड से बचाव हेतु 5 रूम हीटर दिनांक 1 जनवरी 2025 को नववर्ष पर महिला प्रमुख श्रीमती अर्चना सुभाष गुप्ता के सौजन्य से वार्ड इंचार्ज व अधिकारी श्री यजुर्वेदी की उपस्थिति में प्रदान किये गये।

इस अवसर पर श्री यजुर्वेदी द्वारा बताया गया कि इस केंद्र पर कुपोषित बच्चों व उनकी माता को उपचार हेतु रखा जाता है, जिसमें उन्हें उचित दवाइयां व आहार दिया जाता है जब तक कि वह पूर्ण स्वस्थ नहीं हो जाते हैं। इसमें शासन द्वारा भर्ती बच्चों की माता या अटेंडर को उनकी आजीविका हेतु एक निश्चित राशि भी प्रदान की जाती है। इस अवसर पर परिषद परिवार से प्रांतीय महासचिव घनश्याम पोरवाल, शाखा अध्यक्ष अजय शर्मा, पूर्व अध्यक्ष मनोज मेहता, वरिष्ट उपाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, सुनील माहेश्वरी, सेवा प्रमुख गौरव रत्नावत एडवोकेट, महिला प्रमुख श्रीमती अर्चना गुप्ता, श्रीमती मीनल माहेश्वरी, श्रीमती दिप्ती व्यास आदि उपस्थित थे।

✻ उठावना ✻

स्वर्गीय रतनलाल मंडवारिया (नाहरगढ वाले) की पुत्रवधू एवं स्वर्गीय राधेश्याम मंडवारिया की धर्मपत्नी बाबूलाल की भाभीजी एवं चि. दिनेश की पूज्य माताजी एवं भरत, सुभाष, विकास की बडी मम्मी, एवं पीयूष की दादीजी श्रीमती शांतिबाई मंडवारिया का निधन 3 जनवरी 2025 को हो गया है। 5 जनवरी को दोपहर 2 बजे चारभुजा मंदिर जूना मालाहेडा, तह मनासा जिला नीमच पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
बाबूलाल मंडवारिया, दिनेश मंडवारिया, जूना मालाहेडा (मनासा) मध्यप्रदेश

जमुनियाकला एवं दलावदा में आज आयुष चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय के समीपस्थ आयुष ग्राम जमुनियाकला एवं ग्राम दलावदा में आज 4 जनवरी 2024 को प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयुष चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.पंकज पाटीदार डॉ. बी.एस.वास्कले एवं डॉ.विमला पाटीदार सहित अन्य आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेद पैरामेडिकल स्टॉआफ द्वारा स्वास्थ्य शिविर में सेवाएं दी जाएगी। जिला आयुष अधिकारी डॉ.आशीष बोराना ने ग्रामीणों से इन शिविरों का लाभ उठाने का आगृह किया हैं।

मोरवन छात्रावास अधीक्षक निलंबित

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा छात्रावास संचालन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास मोरवन के अधीक्षक (सहायक शिक्षक) श्री कन्हैयालाल ठुमरिया को म.प्र.सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन काल में उनका मुख्यालय अनुसूचित जाति कल्याण जिला संयोजक कार्यालय नीमच रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्तो देय होगा। उल्लेखनीय है, कि जिला पंचायत के सीईओ द्वारा 12 दिसम्बरर 2024 एवं जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण नीमच द्वारा 13 दिसम्बर 2024 को अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास मोरवन का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण दौरान अधीक्षक एवं छात्र छात्रावास में उपस्थित नहीं पाये जाने पर अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, इस नोटिस का उत्तर संतोषजनक नहीं पाये जाने पर अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

मप्र देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सिह आज नीमच आएंगे

नीमच, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.देवनारायण बोर्ड के अध्यंक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) श्री रघुवीर सिह आज 4 जनवरी 2025 को प्रात:8 बजे जावरा से प्रस्थान कर, प्रात: 11 बजे नीमच आएंगे। वे यहाँ टाउनहॉल गांधी वाटिका नीमच में गुर्जर समाज द्वारा नववर्ष मिलन एवं प्रतिभा सम्मा न सम्माारोह में शामिल होने के बाद दोपहर 2 बजे नीमच से कार द्वारा इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

युवा संगम मेले में 247 युवाओं का प्राथमिक चयन

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। युवा संगम रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटशिप मेले का आयोजन कुशाभाऊठाकरे प्रेक्षागृह शासकीय महाविद्यालय, मंदसौर में आयोजित किया किया गया। जिसमें 11 कंपनियां मौजूद थी। एसबीआइ लाइफ मंदसौर, स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस राजस्थान, चेकमेट सर्विसेस गुजरात, एसके एमपी मीडिया टेक्नोलॉजी पिपलियामंडी, भारतीय जीवन बीमा मंदसौर, जस्ट डॉयल मुंबई, बी.एस.एस माईक्रो फाइनेस बैगलोर, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस मन्दसौर, नवशक्ति बायो क्रोप इंदौर, स्विफ्ट सिक्योरिटी इंदौर एंव मदरसन ऑटोमेटीव सानंद अहमदाबाद की कम्पनियां मौजूद थी।

इसमें 413 युवाओं का पंजीयन किया गया तथा 247 युवाओं को ऑफर लेटर, अप्रेंटशिप मेले हेतु वीई कमर्शियल व्हिकल देवास द्वारा 27 युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किये गये। स्वरोजगार हेतु उपस्थित 8 विभागों के कुल 49 हितग्राहियों को 72 लाख 21 हजार रुपए के लोन वितरित किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, श्री विजय मेहता, एसडीएम श्री शाक्य, जिला रोजगार अधिकारी श्री मुकेश मोर्य, विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में पांच दिवसीय प्रथम स्वर्णिम पाटोत्सव का आयोजन 9 से

मंदसौर, 03 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में मंदिर शिखर पर प्रतिष्ठित स्वर्ण कलश का प्रथम स्वर्णिम पाटोत्सव का पांच दिवसीय आयोजन आगामी 9 से 13 जनवरी तक संपन्न होने जा रहा है। यह जानकारी देते हुए श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अध्यक्ष पं. धीरेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि हम सबके परम आराध्य श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर के विराट शिखर पर प्रतिष्ठित स्वर्ण कलश के प्रथम स्वर्णिम पाटोत्सव में श्री राम कथा मर्मज्ञ आचार्य श्री रामानुज जी का सानिध्य प्राप्त होगा।

इस उपलक्ष में 1हजार एक सो ग्यारह श्री राम रक्षा स्त्रोत का पाठ और तीन दिवसीय पंच कुंडीय हनुमंत महायज्ञ यज्ञाचार्य पं.भूपेंद्र शर्मा के आचार्यत्व में होगा। शिखर पर स्वर्ण अभिसिंचित महाध्वजा का आरोहण भी किया जाएगा। 9 व 10 जनवरी को श्री राम रक्षा स्त्रोत पाठ तथा 11 से 13 जनवरी तक पंच कुंडीय हनुमंत महायज्ञ का आयोजन होगा। समय प्रात: 9 से 12:30 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक का रहेगा। 13 जनवरी को पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण दोपहर 12:30 बजे होगा। सभी आयोजन श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में संपन्न होंगे।श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं.धीरेंद्र त्रिवेदी कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश सोमानी, ट्रस्टी गण धन्नालाल भगत, गोपाल गोयल, अशोक गुप्ता, दिलीप कुमार जोशी, महेश कटलाना ने प्रथम स्वर्णिम पाटोत्सव के उपलक्ष में पांच दिवसीय आयोजनों में नगर व अंचल के श्रद्धालु जनों से सपरिवार इष्टमित्रों सहित सम्मिलित होने का अनुरोध किया गया है।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी कितियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.II-222 श्री अशोक पाटीदार पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार को वर्ष 1994 में आवंटित किया गया था। इनके द्वारा अपनी बहन श्रीमती उषा चौधरी पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार पति श्री के.सी. चौधरी का नाम विक्रय विलेख में जुडवाकर दिनांक 11.05.2006 को विक्रय विलेख पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री अशोक पाटीदार पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार द्वारा दिनांक 15.12.2021 को भवन की हक़त्याग रजिस्ट्री श्रीमती उषा चौधरी पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार पति श्री के. सी. चौधरी के पक्ष में निष्पादित करवा दी थी। उक्त हकत्याग रजिस्ट्री के आधार पर श्रीमती उषा चौधरी पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार पति श्री के.सी. चौधरी भवन का नामान्तरण अपने नाम पर करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्रीमती उषा चौधरी पिता श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार पति श्री के.सी. चौधरी के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in